



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 50] नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 4, 1991/फाल्गुन 13, 1912  
No. 50] NEW DELHI, MONDAY, MARCH 4, 1991/PHALGUNA 13, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रचा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय  
(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 मार्च, 1991

सं. एफ. 4(5) डब्ल्यू एण्ड एम/90.—10.50 प्रतिशत ऋण, 1995 (पांचवां निर्गम), 10.75 प्रतिशत ऋण, 2000 (पांचवां निर्गम), 11.25 प्रतिशत ऋण, 2005 (पांचवां निर्गम) और 11.00 प्रतिशत ऋण, 2010 (पांचवां निर्गम) के लिए कुल 983.72 करोड़ रुपयेों का यथासंभव उसके निकट की कुल राशि के बास्ते 11 मार्च, 1991 को बैंकिंग समय की समाप्ति तक अभिदान नकवी में स्वीकार किये जायेंगे। परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 11 मार्च, 1991 को छुट्टी घोषित किये जाने पर अगले कार्य दिन बैंकिंग समय की समाप्ति तक उस राज्य के संबंधित आदाता कार्यालयों में अभिदान स्वीकार किये जायेंगे।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिदान राशि 983.72 करोड़ रुपयेों से अधिक हो तो अभिदाताओं को आनुपातिक आधार पर आंशिक आबंटन किया जाएगा। यदि आंशिक आबंटन किया जाता है तो आंशिक आबंटन के बाद यथाशीघ्र अधिक अभिदान की राशि लौटा दी जाएगी। इस प्रकार लौटायी गयी राशियों पर कोई ब्याज अदा नहीं किया जाएगा।

3. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 11 जून, 1995 को सममूल्य पर प्रतिदेय 10.50 प्रतिशत ऋण, 1995 (पांचवां निर्गम)

(i) वापसी अदायगी की तारीख:—ऋण 11 जून, 1995 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य:—प्रत्येक रु. 1,000.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।

- (iii) ब्याज.—इस ऋण की ब्याज दर 11 मार्च, 1991 से वार्षिक 10.50 प्रतिशत होगी। 11 मार्च, 1991 से 10 जून, 1991 (सहित) की अवधि के लिए ब्याज 11 जून, 1991 को अदा किया जायेगा और तत्पश्चात् ब्याज छमाही आधार पर 11 दिसंबर और 11 जून को अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 10 और 11 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

4. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 11 जून, 2000 को सममूल्य पर देय 10.75 प्रतिशत ऋण, 2000 (पांचवां निर्गम):—

- (i) वापसी अदायगी की तारीख.—ऋण 11 जून, 2000 को सममूल्य पर वापस अदा किया जायेगा।
- (ii) निर्गम मूल्य: प्रत्येक रु. 1,000.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।
- (iii) ब्याज.—इस ऋण की ब्याज दर 11 मार्च, 1991 से वार्षिक 10.75 प्रतिशत होगी। 11 मार्च, 1991 से 10 जून, 1991 (सहित) की अवधि के लिए ब्याज 11 जून, 1991 को अदा किया जायेगा और तत्पश्चात् ब्याज छमाही आधार पर 11 दिसंबर और 11 जून को अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 10 और 11 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

5. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 11 जून, 2005 सममूल्य पर प्रतिदेय 11.25 प्रतिशत ऋण, 2005 (पांचवां निर्गम)

- (i) वापसी अदायगी की तारीख.—ऋण 11 जून, 2005 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।
- (ii) निर्गम मूल्य:—प्रत्येक रु. 1,000.00 (सांकेतिक) का निर्गम रु. 1,000.00 होगा।
- (iii) ब्याज.—इस ऋण की ब्याज दर 11 मार्च, 1991 से वार्षिक 11.25 प्रतिशत होगी। 11 मार्च, 1991 से 10 जून 1991 (सहित) की अवधि के लिए ब्याज 11 जून, 1991 को अदा किया जायेगा और तत्पश्चात् ब्याज छमाही आधार पर 11 दिसंबर और 11 जून को अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 10 और 11 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत लगेगा।

6. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 11 जून, 2010 को सममूल्य पर प्रतिदेय 11.50 प्रतिशत ऋण, 2010 (पांचवां निर्गम):—

- (i) वापसी अदायगी की तारीख.—ऋण 11 जून, 2010 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।
- (ii) निर्गम मूल्य:—प्रत्येक रु. 1,000.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।
- (iii) ब्याज.—इस ऋण की ब्याज दर 11 मार्च, 1991 से वार्षिक 11.50 प्रतिशत होगी। 11 मार्च, 1991 से 10 जून 1991 (सहित) की अवधि के लिए ब्याज 11 जून, 1991 को अदा किया जायेगा और तत्पश्चात् ब्याज छमाही आधार पर 11 दिसंबर और 11 जून को अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 10 और 11 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

7. उपर्युक्त ऋणों के मामले में ब्याज की सकल राशि निकटतम पूर्ण रुपये में पूर्णकृत करने के बाव अदा की जायेगी। इस प्रयोजन के लिये पचास पैसे से कम के ब्याज को हिसाब में नहीं लिया जायेगा और पचास या उससे अधिक पैसे को अगले रुपये में पूर्णकृत किया जायेगा।

#### पूरक व्यवस्थाएं

8. आवेदनपत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जाएंगे:—

- (क) अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई, (फोर्ट और भायखला), कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरुवनन्तपुरम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय; और
- (ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में जिला मुख्यालयों में भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखाएं।

9. ब्याज अदा करने का स्थान—इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक, के अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई, कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरुवनन्तपुरम में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और कश्मीर तथा सिक्किम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकोष या उप-राजकोष में ब्याज अदा किया जायेगा।

10. ब्याज अदा करते समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर), काटे गये कर की वापसी

अदायगी उन ऋण-धारकों को प्राप्त होगी जिन पर कर लागू नहीं है या जिन पर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हो।

जिस धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर लागू है वह जिले के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होने वाली न्यूनतम दर पर कर की कटौती करके उसे ब्याज अदा किया जाए।

भारत में रहने वाला कोई व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट प्राप्त सीमा से अधिक नहीं है वह ब्याज अदा करने वाले व्यक्ति के पास निर्धारित फार्म में दो प्रतियों में घोषणा पत्र प्रस्तुत करके कर की कटौती के बिना ब्याज की राशि प्राप्त कर सकता है।

11. अब जारी किये जाने वाले ऋणों पर ब्याज और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले ब्याज तथा अन्य अनुमोदित निवेशों से मिलने वाली आय को वार्षिक 7,000 रुपये की सीमा तक और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80ड के अन्य उपबन्धों के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी।

12. अब जारी किये जाने वाले ऋणों में किये जाने वाले निवेशों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी अधिनियम में निर्दिष्ट सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

13. प्रतिभूतियाँ केवल स्टाक प्रमाणपत्रों के रूप में जारी की जायेंगी।

14. ऋणों के लिये आवेदनपत्र—ऋणों के लिये आवेदनपत्र रु. 1,000 या उसके गुणजों के लिये होने चाहिए।

15. आवेदनपत्र इसके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें राशि, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहाँ आवेदक ब्याज की अदायगी की अपेक्षा करता है।

16. आवेदनपत्रों के साथ आवश्यक राशि नकदी या चेक के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले चेक संबंधित बैंक के नाम आहरित किये जाने चाहिए।

17. स्वीकृत बैंकों को उनके द्वारा अपने ग्राहकों की ओर से प्रस्तुत ऋण आवेदनपत्रों पर किये गये आबंटनों पर तथा दलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी मुहरयुक्त ऋण आवेदनपत्रों पर किये गये आबंटनों पर प्रति रु. 100.00 (सार्केतिक) 6 पैसे की दर पर दलासी अदा की जायेगी। बैंक—वाणिज्य और सहकारी बैंक—उनके अपने अभिदानों के लिये दलाली की अदायगी के पात्र नहीं होंगे।

राष्ट्रपति के आदेश से,  
श्रीमती जानकी कठपालिया,  
विशेष कार्य अधिकारी (बजट)

(4) ग्राहकों को, उन्हें जारी किये जाने वाले स्टॉक प्रमाणपत्र/पत्रों पर छाहरी ब्याज के प्रेषण के लिए प्रादेश फार्म (लोक ऋण कार्यालय में उपलब्ध) भी भरना चाहिए।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 4th March, 1991

No. F. 4(5)W&M/90.—Subscriptions for the issue of 10.50 per cent Loan, 1995 (Fifth Issue), 10.75 per cent Loan, 2000 (Fifth Issue), 11.25 per cent Loan, 2005 (Fifth Issue) and 11.50 per cent Loan, 2010 (Fifth Issue) for an aggregate amount of Rs. 983.72 crores or as near thereto as possible will be received in the form of cash on the 11th March, 1991 upto the close of banking hours. In the event of 11th March, 1991 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State up to the close of banking hours on the next working day.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 983.72 crores, partial allotment will be made to the subscribers on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 10.50 per cent Loan, 1995 (Fifth Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 11th June, 1995.

- (i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 11th June 1995.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 10.50 per cent per annum from 11th March 1991. Interest for the period from 11th March 1991 to 10th June 1991 (inclusive) will be paid on 11th June 1991 and thereafter interest will be paid half-yearly on 11th December and 11th June. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 10 and 11 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

4. 10.75 per cent Loan, 2000 (Fifth Issue) issued at Rs. 100.00 per cent, and redeemable at par on the 11th June 2000.

- (i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 11th June 2000.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 10.75 per cent per annum from 11th March 1991. Interest for the period from 11th March 1991 to 10th June 1991 (inclusive) will be paid on 11th June 1991 and thereafter interest will be paid half-yearly on

11th December and 11th June. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 10 and 11 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

5. 11.25 per cent Loan, 2005 (Fifth Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 11th June 2005.

- (i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 11th June 2005.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 11.25 per cent per annum from 11th March 1991. Interest for the period from 11th March 1991 to 10th June 1991 (inclusive) will be paid on 11th June 1991 and thereafter interest will be paid half-yearly on 11th December and 11th June. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 10 and 11 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

6. 11.50 per cent Loan, 2010 (Fifth Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 11th June 2010.

- (i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 11th June 2010.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 11.50 per cent per annum from 11th March 1991. Interest for the period from 11th March 1991 to 10th June 1991 (inclusive) will be paid on 11th June 1991 and thereafter interest will be paid half-yearly on 11th December and 11th June. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 10 and 11 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

7. The gross amount of interest in respect of above loans will be paid after rounding off to the nearest whole rupee. For this purpose, amount of interest less than paise fifty will be ignored and paise fifty or more will be rounded off to the next rupee.

## SUPPLEMENTARY PROVISIONS

8. Applications will be received at :

- (a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort & Byculla), Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Thiruvananthapuram; and
- (b) Main branches of the State Bank of India at DISTRICT HEADQUARTERS in India except at (a) above.

9. Place of payment of interest.—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Thiruvananthapuram and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu & Kashmir and Sikkim.

10. Refund of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application, a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

11. Interest on the Loans now issued together with interest on other previous Government Securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 7,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

12. The value of investments in the Loans now issued together with the value of other previous investments in Government Securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the Wealth-tax up to the limit specified in the Act.

13. THE SECURITIES WILL BE ISSUED IN THE FORM OF STOCK ONLY.

14. APPLICATIONS FOR THE LOANS—APPLICATIONS FOR THE LOANS MUST BE FOR RS. 1,000 OR A MULTIPLE OF THAT SUM.

15. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

16. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

17. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (nominal) to recognised banks on allotments in respect of applications for the loans tendered by them on behalf of their clients and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp. Banks—Commercial and Co-operative banks—will not be eligible for payment of brokerage in respect of their own subscriptions.

By order of the President,  
MRS. JANAKI KATHPALIA, Officer on Special  
Duty (Budget)



BROKER'S STAMP WITH ADDRESS

## FORM OF APPLICATION

I/We\*

[Full Name(s) in Block Letters]

-here with tender Cash for

Cheque

Rs. \_\_\_\_\_ (Rupees) \_\_\_\_\_  
 and request that Securities of 10.50 per cent Loan, 1995 (Fifth Issue)\* / 10.75 percent Loan, 2000 (Fifth Issue)\* / 11.25 per cent Loan, 2005 (Fifth Issue)\* / 11.50 per cent Loan, 2010 (Fifth Issue)\* of the nominal value of Rs. \_\_\_\_\_ may be issued to me/us\* in the form of Stock Certificate\*/Credit to my/our\* S.G.L. Account.

2. I/We\* desire that interest be paid at \_\_\_\_\_

N.B. The applicant should not write anything in this cage. The entries will be filled in by the Receiving Office.

Signature(s) \_\_\_\_\_

Name(s) in full \_\_\_\_\_

(Block Letters)

	Initials	Date
Application No. _____	_____	_____
N.B. Stamp _____	_____	_____
Cash received on _____	_____	_____
Cheque realised on _____	_____	_____
Credited to Special _____	_____	_____
Current Account on _____	_____	_____
Examined _____	_____	_____
Cash _____	_____	_____
Applications Register posted _____	_____	_____
Brokerage Register _____	_____	_____
posted _____	_____	_____
Indent No. _____	_____	_____
Script No. _____	_____	_____
Ward No. _____	_____	_____
Boucher passed on _____	_____	_____

Address \_\_\_\_\_

Dated the \_\_\_\_\_

of March 1991.

\*Delete what is not required.

## Notes :

- (1) Separate applications should be made for each Loan and each form of subscription of the New Loan required.
- (2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.
- (3) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application :—
  - (i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.
  - (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/Bye-Laws of the Company/body.
  - (iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government securities on behalf of the Company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).
- (4) Applicants should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest on Stock Certificate/s issued to them.

